बाल विकास परियोजनाओं में अधिकारियों की नियुक्ति

2988. **श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली प्रशासन में बाल विकास परियोजना अधिकारियों के पदों के लिये उपयुक्त अधिकारी उपलब्ध होते हुए भी, प्रशासन के मंत्रालयीय अधिकारियों को इन पदों पर नियुक्त किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या समाज कल्याण विभाग और अन्य समाजिक कार्यकर्ता उपलब्ध नहीं थे जिसके कारण अन्य स्थानों पर अधिकारियों को इन पदों पर नियुक्त किया गया ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इन पदों के भर्ती नियम पिछले बारह वर्ष से अधिसूचित नहीं किये गये हैं ; और

(घ) इन भर्ती नियमों के कब तक अधिसूचित कर दिये जाने की संभावना है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में युवा कार्य और खेल तथा महिला और बाल विकास विभागों में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट आल्वा) : (क) से (घ) समेकित बाल विकास सेवा योजना, राज्य सरकारों/केन्द्र शासित प्रशासनों के माध्यम से चलाई जाती है । आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को छोड़ कर, जो अवैतनिक कार्यकर्ता होती हैं, शेष सभी आई० सी० डी० एस० कार्मिक संबंधित राज्य सरकारों/केन्द्र शासित प्रदेश प्रशासनों की सेवाओं/संवर्गों से संबंधित होते हैं । तदनुसार, दिल्ली प्रशासन में बाल विकास परियोजना अधिकारी दिल्ली के केन्द्र शासित प्रदेश की सेवाओं/संवर्गों से संबंधित होते हैं ।

1975 में जब समेकित बाल विकास सेवा योजना प्रायोगिक आधारों पर शुरू की गई थी तो दिल्ली प्रशासन ने बाल विकास परियोजना अधिकारी के पद को 650–1200 रुपये के पूर्वसंशोधित वेतनमान में पदों संवर्ग के एक भाग के रूप में मान लिया । समेकित बाल विकास सेवा परियोजनाओं की संख्या में वृद्धि होने और इस के परिणामस्वरूप केन्द्र शासित प्रदेश में बाल विकास परियोजना अधिकारी के पदों में वृद्धि होने से दिल्ली प्रशासन ने इन पदों के लिए अलग भर्ती नियम तैयार करने का निर्णय किया । भर्ती नियमों के प्रारूप को अभी अंतिम रूप देने की कार्यवाही की जा रही है ।

भर्ती नियमों के अन्तिम रूप दिए जाने तक दिल्ली प्रशासन ने बाल विकास परियोजना अधिकारी और समाज कल्याण संस्थाओं के अधीक्षकों के 20 रिक्त पदों को दिल्ली प्रशासन के अन्य कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों में से प्रतिनियुक्ति के जरिए तदर्थ आधार पर भर लिया है ।

दिल्ली प्रशासन से कहा गया है कि वे भर्ती नियमों को अंतिम रूप देने और उन्हें अधिसूचित करने का कार्य शीघ्रता से करें ।

Unserviceable equipment and under staffed Dental Department in Safdarjang Hospital, New Delhi

2989. PROF. C. LAKSHMANNA: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government are aware that almost all the equipment of Dental wing of Safdarjang Hospital are in unserviceable condition;

(b) if so, the action taken in this regard;

(c) the expenditure incurred on maintenance of these equipment during the current year;

(d) whether it is also a fact that dental wing is under staff as per the authorisation; and

(e) if so, the action taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): (a) and (b) No, Sir. However, there are some equipments which are in unserviceable condition. Their replacement is carried out as per normal procedure and it is a continuing process.

(c) Total expenditure incurred on maintenance of these equipments during the current year is approximately Rs. 8,000/-.

(d) and (e) No, Sir. However, some medical and para-medical posts are lying vacant which are to be filled up by the Directorate General of Health Services through the Local Employment Exchange. Several reminders have been sent to the Employment Exchange for sponsoring suitable candidates.

Supply of spurious and sub-standard drugs by CGHS

2990. SHRI V. NARAYANASAMY: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government have received any complaints regarding spurious and sub-standard medicines being supplied through the CGHS dispensaries;

(b) if so, whether Government have instituted any inquiry into the matter; and

(c) what steps are being taken to see that the life of the beneficiaries of CGHS is not endangered through the supply of spurious and sub-standard drugs?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): (a) to (c) All Allopathic medicines included in the C.G.H.S. formulary are being supplied by Medical Store Organisation which procures the drugs after testing. The representatives of Drug Controller of India also collect random samples from CGHS dispensaries for Chemical Analysis. Homoeopathic medicines purchased by the CGHS are analysed and tested at the Homoeopathic Pharmacopoeial Laboratory, Ghaziabad before acceptance and supply. Ayurvedic and Unam medicines are purchased by the C.G.H.S. from IMPCL, a Government of India Undertaking. In case of doubt, the particular ingredients of a drug are got tested from C.I.P.L. Ghaziabad.

Gradual fall in standards of hockey and football in the country

2991. SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government propose to set up an expert committee to inquire into the causes of the gradual fall in the standard of Indian football and hockey in international competitions;

(b) what is the total amount spent by Government in games and sports during 1986-87; and

(c) the total amount spent on coaching players belonging to different disciplines?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS AND WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRIMATI MARGARET ALVA): (a) No, Sir.

(b) Plan—Rs. 3328 lakhs, Non-Plan—Rs. 1005 lakhs.

(c) Expenditure on National Coaching Scheme of Netaji Subhas National Institute of Sports in 1986-87 was Rs. 41.63 lakhs. In addition, grant of Rs. 5.33 lakhs was released to the State Governments for conducting Coaching Camps.